[Total No. of Questions - 6] [Total No. of Printed Pages - 2]
(2064)

14804

B. Pharmacy (Ayurveda) 2nd Semester Examination

Sanskrit (N.S.)

BPA-237

Time : 3 Hours **Max. Marks : 70**

The candidates shall limit their answers precisely within the answer-book (40 pages) issued to them and no supplementary/continuation sheet will be issued.

1. कारक कितने हैं। कारक की व्याख्या देते हुए तृतीया विभक्ति और पंचमी विभक्ति उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। (10)

2. निम्नलिलिखत श्लोकों का अनुवाद करते हुए अर्थ स्पष्ट कीजिए।

   (a) मानो वा दयों वा विज्ञानं विभ्रमः सुबुद्धिवो।

   सर्व प्रणश्यति समं वित्तविहीनो यदा पुरुषः।।

   (b) कृवृष्टं कुपरिज्ञानं कुश्रुतं कुपरीक्षितम्।

   तन्नरेण न कर्तव्यं नापितेनाऽत्र यत्कृतम्।। (10)

3. संधि कीजिए :

   (a) (1) दया+अर्णवः (2) गुरु+आदेशः (3) सुधी+ईशः (4) राष्+त्रम् (5) याच+ना

   (b) निम्नलिखित रूपों की पहचान दीजिए।

   (1) पश्यति (2) गमिष्यति (3) पठ (4) अपृच्छत् (5) भवन्तु (10)

4. (a) 'युष्मद' अथवा 'पयस्' शब्द के रूप सभी विभक्तियों में लिखें।

(b) निम्नलिखित कृदन्तों के अर्थ बताते हुए वाक्य प्रयोग कीजिए।

(1) भूत्वा (2) नमन् (3) नृत्यन्ती (4) यीतवान् (5) इच्छत् (10)

5. टिप्पणी : (Short note)

(a) 'पिताशय' शब्द का शाब्दिक अर्थ बताते हुए संधि-विच्छेद कर पिताशय का स्थान निर्देश कीजिए।

(b) यकृत एवं प्लीहा के स्थान निर्देश करो एवं यकृत वृद्धि और प्लीहा वृद्धि में प्रयुक्त औषध के नाम दीजिए। (10)

6. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(a) 'गम्' धातु के लङ् लकार के सभी रूप लिखें।

(b) 'किम्' शब्द का प्रयोग कर दो वाक्य बनाओ।

(c) मेदोहर औषधों के नाम लिखो।

(d) यण संधि के दो उदाहरण दीजिए।

(e) 'भू' धातु के लृट् लकार के रूप लिखें।

(f) सभी कारकों के नाम दीजिए।

(g) धातु क्षीणता पर कार्यकारी औषधों के नाम दीजिए।

(h) ज्वर के प्रकार बताइए।

(i) क्लैव्य के औषध बनाइए।

(j) दाहनाशक औषध बताइए। (20)